गणपति को प्रथम मनाना है लिरिक्स

गणपती जी को प्रथम मनाना है,
उत्सव को सफल बनाना है ।
शिव पार्वती के प्यारे को,
भक्तों के बीच बुलाना है ।।

गणपती को प्रथम मनाने की,
देवों ने रीत चलाई है ।
तीनो लोक में छोटे या हो बड़े,
सब करते इनकी बड़ाई है ।।

कोई पान और फूल चढ़ाते है,
कोई लड्डू का भोग लगाते है ।
कोई मेवा थाल सजाते है,
कोई छप्पन भोग लगाते है ।।

उत्सव में सभी पधारे है,
बस इनका □ ना बाकी है ।
अरे भक्तों मंगलाचार करो,
देवा ने □ ने की हां की है ।।

https://allbhajanlyrics.com/ganpati-ji-ko-pratham-manana-hai-lyrics/